CBSE Class 10 - Hindi A

Sample Paper 04 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

i. इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं – खंड – अ और खंड – ब।
ii. खंड-अ में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उप प्रश्न दिए गये है।
iii. खंड-ब में कुल 8 वर्णात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
iv. दिये गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

चंपारण सत्याग्रह के बीच जो लोग गांधी जी के संपर्क में आए वे आगे चलकर देश के निर्माताओं में गिने गए। चंपारण में गांधी जी न सिर्फ सत्य और अहिंसा का सार्वजनिक हितों में प्रयोग कर रहे थे बल्कि हलुवा बनाने से लेकर सिल पर मसाला पीसने और चक्की चलाकर गेहूँ का आटा बनाने की कला भी उन बड़े वकीलों को सिखा रहे थे, जिन्हें गरीबों की अगुवाई की जिम्मेदारी सौंपी जानी थी। अपने इन आध्यात्मिक प्रयोगों के माध्यम से वे देश की गरीब जनता की सेवा करने और उनकी तकदीर बदलने के साथ देश को आजाद कराने के लिए समर्पित व्यक्तियों की एक ऐसी जमात तैयार करना चाह रहे थे जो सत्याग्रह की भट्ठी में उसी तरह तपकर निखरे, जिस तरह भट्ठी में सोना तपकर निखरता और कीमती बनता है।

गांधी जी की मान्यता थी कि एक प्रतिष्ठित वकील और हज़ामत बनाने वाले हज़्ज़ाम में पेशे के लिहाज़ से कोई फ़र्क नहीं, दोनों की हैसियत एक ही हैं। उन्होंने पसीने की कमाई को सबसे अच्छी कमाई माना और शारीरिक श्रम को अहमियत देते हुए उसे उचित प्रतिष्ठा व सम्मान दिया था। कोई काम बड़ा नहीं, कोई काम छोटा नहीं, इस मान्यता को उन्होंने प्राथमिकता दी ताकि साधन शुद्धता की बुनियाद पर एक ठीक समाज खड़ा हो सके। आज़ाद हिंदुस्तान आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और आत्म-सम्मानित देश के रूप में विश्व-बिरादरी के बीच अपनी एक खास पहचान बनाए और फिर उसे बरकरार भी रखे।

I. किसी काम या पेशे के बारे में गांधी जी की मान्यता क्या थी?
   i. कोई काम बड़ा नहीं, कोई काम छोटा नहीं
   ii. कोई काम बड़ा नहीं
   iii. कोई काम छोटा नहीं
   iv. हर काम बड़ा छोटा होता है

II. गांधी जी सबसे अच्छी कमाई किसे मानते थे?
   i. कमाकर लाने को

ii. काम करने को

iii. मेहनत की कमाई को

iv. प्रतिष्ठित कमाई को

III. गांधी जी ने किसे अहमियत दी है?

i. सत्याग्रह को

ii. शारीरिक श्रम को

iii. सार्वजानिक हितों को

iv. मनुष्य को

IV. गांधी जी किसकी बुनियाद पर एक अच्छा समाज खड़ा करना चाहते थे?

i. साधन शुद्धता की

ii. परिश्रम की

iii. सत्य की

iv. शुद्धता की

V. गांधी जी किसके सार्वजनिक हितों का प्रयोग कर रहे थे?

i. सत्य का

ii. अहिंसा का

iii. सत्य और अहिंसा का

iv. किसी का नहीं

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

अकाल के बीच भी अच्छे काम और अच्छे विचार का एक सुंदर छोटा सा उदाहरण राजस्थान के अलवर क्षेत्र का है जहाँ तरुण भारत संघ पिछले बीस बरस से काम कर रहा है। वहाँ पहले अच्छा विचार आया तालाबों का, हर नदी, नाले को छोटे-छोटे बाँधों से बाँधने का। इस तरह वहाँ आसपास के कुछ और जिलों के कोई 600 गाँवों ने बरसों तक वर्षा की एकएक बूंद को सहेज लेने का काम चुपचाप किया। इन तालाबों, बाँधों ने वहाँ सूखी पड़ी पाँच नदियों को 'सदानीरा' का नाम वापस दिलाया।

अच्छे विचारों से अच्छा काम हुआ और फिर आई चुनौती भरे अकाल की पहली सूचना। नदियों में, तालाबों में, कुओं में वहाँ तब भी पानी लबालब भरा था। फिर भी इस क्षेत्र के लोगों ने, किसानों ने आज से सात-आठ माह पहले यह निर्णय किया कि पानी कम गिरा है इसलिए ऐसी फ़सलें नहीं बोनी चाहिए जिनकी प्यास ज़्यादा होती है। तो कम पानी लेने वाली फ़सलें लगाई गईं। इसमें उन्हें कुछ आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा पर आज यह क्षेत्र अकाल के बीच में एक बड़े हरे द्वीप की तरह खड़ा है। यहाँ सरकार को न तो टैंकरों से पानी ढोना पड़ रहा है न अकाल राहत का पैसा बाँटना पड़ा है। गाँव के लोग, किसी के आगे हाथ नहीं पसार रहे हैं।

उनका माथा ऊँचा है। पानी के उम्दा काम ने उनके स्वाभिमान की भी रक्षा की है। अलवर में नदियाँ एक दूसरे से जोड़ी नहीं गई

हैं। यहाँ के लोग अपनी नदियों से, अपने तालाबों से जुड़े हैं। यहाँ पैसा नहीं बहाया गया है, पसीना बहाया है, लोगों ने और उनके अच्छे काम और अच्छे विचारों ने अकाल को एक दर्शक की तरह पाल के किनारे खड़ा कर दिया है।

I. तरुण भारत संघ कहाँ काम कर रहा है?
   i. अलवर में
   ii. राजस्थान में
   iii. बीकानेर में
   iv. जोधपुर में

II. लोगों के परिश्रम के कारण अकाल क्या बनकर रह गया है?
   i. करुणावतार
   ii. मूक दर्शक
   iii. सवाक दर्शक
   iv. मुक्त दर्शक

III. अकाल से मुक्ति पाने के लिए किसानों ने कैसी फसल बोने का निर्णय लिया?
   i. जिनमें अधिक पानी लगता हो
   ii. जिनमें पानी नहीं लगता हो
   iii. जिनमें कम पानी लगता हो
   iv. जिनमें सर्वाधिक पानी लगता हो

IV. राजस्थान के किसानों ने अकाल का किस तरह मुकाबला किया?
   i. पानी की एक - एक बूँद को सहेजकर
   ii. पानी को बहाकर
   iii. पानी को नदियों में से निकालकर
   iv. पानी को छोड़कर

V. कैसे विचार लोगों का स्वाभिमान बनाए रखने में सहायक होते हैं?
   i. बुरे विचार
   ii. सघन विचार
   iii. अच्छे विचार
   iv. सदा विचार

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

हिमालय के आँगन में उसे प्रथम किरणों का दे उपहार।।
उषा ने हँस अभिनंदन किया और पहनाया हीरक हार।
जगे हम, लगे जगाने विश्व लोक में फैला फिर आलोक,
व्योम-तम-पुंज हुआ तब नष्ट, अखिल संसृति हो उठी अशोक।

विमल वाणी ने वीणा ली कमल कोमल कर में सप्रीत।
सप्त स्वर सप्त सिंधु में उठे, छिड़ा तब मधुर साम-संगीत।
बचाकर बीज रूप से सृष्टि, नाव पर झेल प्रलय का शीत।
अरुण-केतन लेकर निज हाथ वरुण पथ में हम बढ़े अभीत।

I. प्रथम किरणों का उपहार किसे मिल रहा है?
   i. भारत भूमि को
   ii. लोगों को
   iii. धरती को
   iv. आँगन को

II. 'विमल वाणी ने वीणा ली कमल कोमल कर में सप्रीत' में कौन-सा अलंकार है?
   i. यमक अलंकार
   ii. श्लेष अलंकार
   iii. अनुप्रास अलंकार
   iv. उपमा अलंकार

III. दुनिया में आलोक कब फैला?
   i. जब भारत ने मनीषियों से ज्ञान सीखा
   ii. जब भारत के मनीषियों ने ने विश्व को ज्ञान दिया
   iii. जब भारत में सूरज की पहली किरण आई
   iv. जब देश में दिन निकला

IV. उषा किसका स्वागत करती है?
   i. धरती का
   ii. भारत भूमि का
   iii. आकाश का
   iv. वृक्षों का

V. 'बचाकर बीज रूप से सृष्टि' पंक्ति में किस प्रसंग का उल्लेख है ? स्पष्ट कीजिए।
   i. मनु द्वारा सृष्टि को बचाने का
   ii. अधिक सर्दी पड़ने का
   iii. अधिक गर्मी पड़ने का
   iv. अधिक वर्षा होने का

OR

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला

उस-उस राही को धन्यवाद।
जीवन अस्थिर, अनजाने ही
हो जाता पथ पर मेल कही
सीमित पग-डग, लंबी मंजिल,
तय कर लेना कुछ खेल नहीं।
दाएँ-बाएँ सुख-दुख चलते
सम्मुख चलता पथ का प्रमाद,
जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला
उस-उस राही को धन्यवाद।
साँसों पर अवलंबित काया,
जब चलते-चलते चूर हुई।
दो स्नेह शब्द मिल गए,
मिली नव स्फूर्ति,
थकावट दूर हुई।
पथ के पहचाने छूट गए,
पर साथ-साथ चल रही यादें।
जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला
उस-उस राही को धन्यवाद।

I. कवि किस-किस राही को धन्यवाद देना चाहता है?
   i. जीवन पथ पर उसे जिस जिससे स्नेह मिला
   ii. जीवन पथ पर उसे जिस जिससे स्नेह नहीं मिला
   iii. जिसे उसने देखा
   iv. जिसे उसने नहीं देखा

II. जाने-पहचाने लोगों का साथ छूट जाने पर भी कवि के साथ अब कौन चल रहा है?
   i. अनजाने लोग
   ii. सबकी यादें
   iii. पुराने लोग
   iv. उसके मित्र

III. जीवन पथ पर कवि का साथ कौन-कौन दे रहे हैं?
   i. सुख
   ii. दुःख
   iii. आलस्य
   iv. सभी विकल्प सही हैं

IV. कवि राही को धन्यवाद क्यों देना चाहता है?

i. क्योंकि उसके स्नेह से वह अपनी जीवन यात्रा को पूरा कर सका

ii. क्योंकि उसने कवि को बीच में छोड़ दिया

iii. क्योंकि वह कवि से स्नेह नहीं करता

iv. क्योंकि कवि ने उससे ऋण लिया था

V. जीवन-यात्रा में स्नेह के दो शब्द मिलने का कवि पर क्या प्रभाव हुआ ?

i. वह थक गया

ii. उसमें नव स्फूर्ति आ गई

iii. उसमें निराशा आ गई

iv. वह उदास हो गया

3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. महात्मा गांधी ने कहा था कि सत्य की विजय होती है। - रेखांकित उपवाक्य का भेद बताइए।

a. क्रिया उपवाक्य

b. संज्ञा उपवाक्य

c. विशेषण उपवाक्य

d. क्रियाविशेषण उपवाक्य

ii. मेरी जो गाय काली है वह खेत में चर रही है। - वाक्य का उचित संयुक्त वाक्य होगा -

a. मेरी काली गाय खेत में चर रही है।

b. जो गाय खेत में चल रही है वह काली है।

c. मेरी गाय काली है और खेत में चर रही है।

d. खेत में चरने वाली गाय काली है।

iii. मैंने एक व्यक्ति देखा। वह व्यक्ति बहुत कमज़ोर था। - दो सरल वाक्यों को एक सरल वाक्य में परिवर्तित कीजिए।

a. जो व्यक्ति मैंने देखा वो बहुत कमज़ोर था।

b. मैंने एक बहुत कमज़ोर व्यक्ति को देखा।

c. वह व्यक्ति जो बहुत कमज़ोर था उसे मैंने देखा।

d. मैंने जिस व्यक्ति को देखा वह बहुत कमज़ोर था।

iv. निम्नलिखित वाक्यों को संयुक्त वाक्य में परिवर्तित कीजिए -

- रास्ते में कोहरा था।
- कोहरे के कारण मैं जा न सका।

a. मुझे नहीं जाना था इसलिए रास्ते में कोहरा था।

b. चूँकि रास्ते में कोहरा था इसलिए मैं जा न सका।

c. रास्ते में कोहरा होने के कारण मैं जा न सका।

d. रास्ते में कोहरा था इसलिए मैं जा न सका।

v. मैं जब भी गाता हूँ , वह प्रसन्न हो जाता है - वाक्य में रेखांकित उपवाक्य का भेद बताइए |

a. क्रियाविशेषण उपवाक्य

b. विशेषण उपवाक्य

c. संज्ञा उपवाक्य

d. प्रधान उपवाक्य

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. अब तो चला जाए - वाक्य के लिए उचित कर्तृवाच्य होगा -

a. अब तो चला नहीं जाता।

b. अब तो चले।

c. अब तो चलना पड़ेगा।

d. अब चलते हैं।

ii. मजदूरों द्वारा नहर खोदी गई - वाक्य के लिए उचित कर्तृवाच्य होगा -

a. मजदूरों से नहर खोदी जा रही थी।

b. मजदूरों से नहर खोदी गई थी।

c. मजदूरों से नहर खोदी गई।

d. मजदूरों ने नहर खोदी।

iii. प्रायः असमर्थता या विवशता प्रकट करने के लिए 'नहीं' के साथ _____ का प्रयोग होता है।

a. कर्तृवाच्य

b. कर्मवाच्य

c. विशेषण

d. भाववाच्य

iv. आपने सुंदर लेख लिखा - किस वाच्य का उदाहरण है ?

a. कर्मवाच्य का

b. कर्तृवाच्य का

c. क्रियावाच्य का

d. भाववाच्य का

v. क्रिया के कथ्य रूप को बताने वाला _____ होता है। रिक्त स्थान के लिए उचित पद चुनिए।

a. वाच्य

b. कर्ता

c. क्रिया

d. संज्ञा

5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. रमेश स्टेशन से घर आया। रेखांकित पद के लिए उचित परिचय होगा -

a. द्रव्यवाचक संज्ञा, अधिकरण कारक

b. समूहवाचक संज्ञा, कारण कारक

c. जातिवाचक संज्ञा, अपादान कारक

d. व्यक्तिवाचक संज्ञा, संबंध कारक

ii. वह कल आएगा - वाक्य में रेखांकित पद के लिए उचित पद परिचय होगा -

a. अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम

b. सम्बन्धवाचक सर्वनाम

c. निजवाचक सर्वनाम

d. प्रश्नवाचक सर्वनाम

iii. राधा मधुर गीत गाती है। रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा -

a. क्रिया

b. विशेषण

c. संज्ञा

d. काल

iv. सार्वनामिक विशेषण का उचित पद होगा -

a. वे लोग दिल्ली जाएँगे।

b. वे लोग दिल्ली जाएँगे।

c. वे लोग दिल्ली जाएँगे।

d. वे लोग दिल्ली जाएँगे।

v. उपवन में सुंदर फूल खिले हैं - रेखांकित पद के लिए उचित परिचय होगा -

a. सकर्मक क्रिया

b. द्विकर्मक क्रिया

c. नामधातु क्रिया

d. अकर्मक क्रिया

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. कहत, नटत, खिझत, मिळत, खिलत, लजियात

भरें भौंन में करत हैं नैनन ही सौं बात।

उपर्युक्त पंक्ति में प्रयुक्त रस कौनसा है ?

a. रौद्र रस

b. वीर रस

c. श्रृंगार रस

d. करुण रस

ii. नायक का कंपित और पुलकित होना किस रस का अनुभाव है?

a. श्रृंगार रस
b. वात्सल्य रस
c. करुण रस
d. शांत रस

iii. उत्साह नामक भाव से कौन सा रस निष्पन्न होता है ?
a. करुण रस
b. श्रृंगार रस
c. रौद्र रस
d. वीर रस

iv. निम्नलिखित में से वीर रस का उचित उदाहरण चुनिए।
a. लाला तुम किस चक्की का आटा खाते हो
यूँ ही अपनी तोंद बढ़ाये जाते हो।
b. निसि दिन बरसत नैन हमारे।
सदा रहती पावस ऋतु हम पे जब तै स्याम सिधारे।
c. मैं सत्य कहता हूँ सखे ! सुकुमार मत जानो मुझे ,
यमराज से भी युद्ध को प्रस्तुत सदा मानों मुझे।।
d. मेरो तो गिरधर गोपाल दूसरों न कोई।

v. रस के कितने अंग होते हैं ?
a. चार
b. दो
c. तीन
d. पाँच

7. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़िए और नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

बेटे के क्रिया-कर्म में तूल नहीं किया; पतोहू से ही आग दिलाई उसकी। किन्तु ज्योंही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना। इधर पतोहू रो-रोकर कहती-मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा, बीमार पड़े तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा? मैं पैर पड़ती हूँ, मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए। लेकिन भगत का निर्णय अटल था। तू जा, नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चल दूंगा-यह थी उनकी आखिरी दलील और इस दलील के आगे बेचारी की क्या चलती?

I. भगत जी के समक्ष पतोहू की विवशता का कारण क्या था?
i. भगत जी का बीमार होना
ii. पति का मर जाना
iii. भगत जी का निर्णय
iv. दूसरी शादी

II. बालगोबिन भगत ने अपनी पतोहू के भाई को क्यों बुलाया था?

i. पतोहू को मायके भेजने के लिए

ii. अपने बेटे की चिता को आग देने के लिए

iii. पतोहू की दूसरी शादी कराने के लिए

iv. क्योंकि वे बीमार थे

III. श्राद्ध की अवधि पूरी होने पर बालगोबिन भगत ने पतोहू को क्या कहा?

i. अपने घर चले जाने के लिए

ii. दूसरी शादी करने के लिए

iii. भाई को बुलाने को

iv. कुछ दिन और रुकने को

IV. बालगोबिन भगत की पतोहू अपने मायके क्यों नहीं जाना चाहती थी?

i. बालगोबिन भगत की सेवा करने के लिए

ii. दूसरी शादी करने के लिए

iii. क्योंकि वो अपना घर नहीं छोड़ना चाहती थी

iv. वो अपने भाई के साथ नहीं जाना चाहती थी

V. बालगोबिन भगत के बेटे की चिता को किसने आग दिया?

i. बालगोबिन भगत ने

ii. बालगोबिन भगत के भाई ने

iii. पतोहू के भाई ने

iv. बालगोबिन भगत की बहु ने

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

i. चश्मेवाले की मृत्यु का समाचार हालदार साहब को सुनाते हुए पानवाले की आँखों से आँसू आने में उसके स्वभाव की कौनसी विशेषता परिलक्षित होती है ?

a. व्यंग्य करना

b. अत्याचारी

c. भावुकता और संवेदनशीलता

d. स्वार्थी स्वभाव

ii. हिंदी भाषी लोगों द्वारा किस भाषा की उपेक्षा से फादर कामिल बुल्के दुखी होते थे?

a. उर्दू

b. अंग्रेज़ी

c. हिंदी

d. पंजाबी

iii. फादर बुल्के की जन्मभूमि का क्या नाम था?

a. इटली

b. रेम्स चैपल

c. भारत

d. युगोस्लाविया

9. **निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

हमारें हरि हारिल की लकरी।

मन क्रम वचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।

जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जक री।

सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी।

सु तौ ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी।

यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपौं, जिनके मन चकरी।।

I. 'नंद-नंदन' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

i. उद्धव

ii. कृष्ण

iii. गोपियों

iv. सूरदास

II. गोपियों को योग व ज्ञान की बातें कैसी लगती हैं?

i. बहुत मधुर

ii. नीरस

iii. कड़वी ककड़ी के समान

iv. अग्नि के समान

III. गोपियों ने श्रीकृष्ण की तुलना किससे की है?

i. भौंरे से

ii. कड़वी ककड़ी से

iii. सन्यासी से

iv. हारिल की लकड़ी से

IV. गोपियों ने श्रीकृष्ण की बातों को किसके लिए बताया है?

i. जिसका मन स्थिर न हो

ii. जो प्रेम करता हो

iii. जो सन्यासी है

iv. उद्धव के लिए

V. **ब्याधि** शब्द का क्या अर्थ है?

i. आधार

ii. रक्षा

iii. विरह

iv. रोग

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

i. खर कुठार मैं अकरुन कोही। इस पंक्ति में " मैं " किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

a. राम

b. सीता

c. लक्ष्मण

d. परशुराम

ii. कन्यादान के समय को माँ ने सीख देने की आवश्यकता क्यों समझी ?

a. लड़की भोली व सरल थी

b. लड़की पाठिका थी

c. लड़की अंतिम पूंजी थी

d. लड़की पराया धन थी

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिये:

i. 'बालगोबिन भगत की मौत उन्हीं के अनुरूप हुई' कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

ii. नवाब साहब खीरे को बाहर फेंककर गर्व से क्यों भर उठे? लखनवी अंदाज़ पाठ के आधार पर बताइए।

iii. हालदार साहब इतनी सी बात पर भावुक क्यों हो गए?

iv. फादर जैसे सौम्य तथा स्नेहिल स्वभाव के व्यक्ति किस सवाल पर झुजला उठते थे और क्यों ? 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

i. कन्यादान कविता में माँ ने बेटी को क्या-क्या सीखें दीं?

ii. उत्साह कविता में बादल किन-किन अर्थों की ओर संकेत करता है?

iii. परशुराम का स्वभाव किस प्रकार का है ? वे लक्ष्मण को क्या कहकर धमकाते हैं?

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये:

i. लेखक किस घटना को याद कर कहता है कि वैसा घोड़मुँहा आदमी हमने कभी नहीं देखा? माता का अँचल पाठ के आधार पर बताइए।

ii. जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ में वर्णित खोई हुई नाक से गुजरात के किन-किन महापुरुषों की नाक बड़ी निकली? आप इस कथन के द्वारा कौन-सा भाव ग्रहण करते हैं तथा यह व्यंग्य राष्ट्र के प्रति लेखक की किस भावना का परिचायक है?

iii. **साना-साना हाथ जोड़ी** पाठ में प्रकृति के उस अनंत और विराट स्वरूप को देखकर लेखिका को कैसी अनुभूति होती है?

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **पुस्तकें पढ़ने की आदत** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- पढ़ने की घटती प्रवृति
- कारण और हानि
- पढ़ने की आदत से लाभ

ii. **आज की बचत कल का सुख** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- बचत का अर्थ एवं स्वरूप
- दुःखदायक स्थितियों में बचत का महत्त्व
- वर्तमान और भविष्य को सुरक्षित करना

iii. **इंटरनेट का जीवन में उपयोग** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- इंटरनेट क्या है?
- लाभ-समय की बचत, शिक्षा में सहायक
- उपयोग के सुझाव

15. आपके मोहल्ले में चारों ओर गन्दगी फैली हुई है। लगता है कि कई दिनों से सफाई कर्मचारी काम पर नहीं आए। इसकी शिकायत करते हुये अपने क्षेत्र के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

OR

सभी औपचारिकताएँ पूर्ण करने के उपरान्त भी 'आधार पहचान पत्र' न मिलने की शिकायत करते हुए अपने क्षेत्र से संबद्ध अधिकारी को पत्र लिखिए।

16. नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेलपॉलिश का विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

OR

पृथ्वी दिवस पर बेहतर भविष्य बनाने हेतु 25-50 शब्दो मे एक विज्ञापन तैयार कीजिये।

17. गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर देशवासियों के लिए 30-40 शब्दों में एक संदेश लिखें।

OR

अपने दादा जी के निधन पर 30-40 शब्दों में शोक संदेश लिखिए।

CBSE Class 10 - Hindi A

Sample Paper 04 (2020-21)

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. I. (i) कोई काम बड़ा नहीं, कोई काम छोटा नहीं
   II. (iii) मेहनत की कमाई को
   III. (ii) शारीरिक श्रम को
   IV. (i) साधन शुद्धता की
   V. (iii) सत्य और अहिंसा का

OR

   I. (i) अलवर में
   II. (ii) मूक दर्शक
   III. (iii) जिनमें कम पानी लगता हो
   IV. (i) पानी की एक - एक बूँद को सहेजकर
   V. (iii) अच्छे विचार

2. I. (i) भारत भूमि को
   II. (iii) अनुप्रास अलंकार
   III. (ii) जब भारत के मनीषियों ने विश्व को ज्ञान दिया
   IV. (ii) भारत भूमि का
   V. (i) मनु द्वारा सृष्टि को बचाने का

OR

   I. (i) जीवन पथ पर उसे जिस जिससे स्नेह मिला
   II. (ii) सबकी यादें
   III. (iv) सभी विकल्प सही हैं
   IV. (i) क्योंकि उसके स्नेह से वह अपनी जीवन यात्रा को पूरी कर सका
   V. (ii) उसमें नव स्फूर्ति आ गई

3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

   i. (b) संज्ञा उपवाक्य

   Explanation: यहाँ 'सत्य की विजय होती है' वाक्य का प्रयोग महात्मा गाँधी के कर्म के रूप में हुआ है इसलिए यह

संज्ञा उपवाक्य है।

ii. (c) मेरी गाय काली है और खेत में चर रही है।

Explanation: इस वाक्य में 'मेरी गाय काली है' और 'खेत में चर रही है' ये दोनों ही पूर्ण अर्थ लिए हुए हैं इसलिए यही संयुक्त वाक्य का उचित रूप है।

iii. (b) मैंने एक बहुत कमज़ोर व्यक्ति को देखा।

Explanation: दो अलग - अलग सरल वाक्यों को मिलाकर उसमें एक कर्ता और एक क्रिया करने के कारण यही उपयुक्त उदाहरण होगा।

iv. (d) रास्ते में कोहरा था इसलिए मैं जा न सका।

Explanation: 'रास्ते में कोहरा था' और 'मैं जा न सका' ये दोनों ही वाक्य स्वतंत्र हैं इसलिए उपयुक्त वाक्य यही होगा।

v. (a) क्रियाविशेषण उपवाक्य

Explanation: प्रसन्न होने की विशेषता बताने के कारण यहाँ क्रियाविशेषण उपवाक्य है।

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (b) अब तो चले।

Explanation: उचित कर्तृवाच्य यही होगा क्योंकि यहाँ कर्ता के अनुसार ही क्रिया है

ii. (d) मजदूरों ने नहर खोदी।

Explanation: कर्मवाच्य को कर्तृवाच्य में बदलते समय कर्ता के साथ 'ने' कारक चिह्न लगाकर क्रिया को कर्ता के अनुसार परिवर्तित किया जाता है इसलिए यही उचित कर्तृवाच्य है।

iii. (d) भाववाच्य

Explanation: असमर्थता या विवशता के लिए प्रायः भाववाच्य का ही प्रयोग होता है।

iv. (b) कर्तृवाच्य का

Explanation: यहाँ क्रिया कर्ता के अनुसार होने के कारण यह कर्तृवाच्य का उदाहरण है।

v. (a) वाच्य

Explanation: क्रिया के कथ्य को बताने वाला वाच्य कहलाता है। वाच्य में क्रिया का विधान कर्ता, कर्म और भाव के अनुसार होता है।

5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (c) जातिवाचक संज्ञा, अपादान कारक

Explanation: स्टेशन - जातिवाचक संज्ञा है और 'से' होने के कारण अपादान कारक है।

ii. (a) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम

Explanation: 'वह' पुरुषवाचक सर्वनाम है और इसका प्रयोग अन्य के लिए होने के कारण यह अन्यपुरुषवाचक सर्वनाम है।

iii. (b) विशेषण

Explanation: गीत की विशेषता बताने के कारण यह विशेषण है।

iv. (d) वे लोग दिल्ली जाएँगे।

Explanation: यहाँ 'वे' सार्वनामिक विशेषण है क्योंकि ये 'लोगों' की विशेषता बता रहा है।

v. (a) सकर्मक क्रिया

Explanation: 'फूल' कर्म होने के कारण यहाँ सकर्मक क्रिया है।

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (c) श्रृंगार रस

Explanation: प्रेम की प्रधानता होने के कारण यहाँ श्रृंगार रस है।

ii. (a) श्रृंगार रस

Explanation: अपनी प्रिय को देखकर नायक अतिरेक प्रेम के कारण कम्पित और पुलकित हो जाता है इसलिए ये श्रृंगार रस का अनुभाव है।

iii. (d) वीर रस

Explanation: **उत्साह** वीर रस का स्थायी भाव होता है।

iv. (c) मैं सत्य कहता हूँ सखे ! सुकुमार मत जानो मुझे,
यमराज से भी युद्ध को प्रस्तुत सदा मानों मुझे।।

Explanation: यहाँ युद्ध के लिए मन में उत्साह की भावना होने के कारण वीर रस की प्रधानता है।

v. (a) चार

Explanation: रस के चार अंग होते हैं - स्थायी भाव, अनुभाव, विभाव और संचारी भाव।

7. I. (iii) भगत जी का निर्णय

II. (i) पतोहू को मायके भेजने के लिए

III. (ii) दूसरी शादी करने के लिए

IV. (i) बालगोबिन भगत की सेवा करने के लिए

V. (iv) बालगोबिन भगत की बहु ने

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

i. (c) भावुकता और संवेदनशीलता

Explanation: भले ही पानवाला लंगड़ा कहकर चश्मेवाले का उपहास बनाया करता था पर उसके अंदर भी संवेदनशीलता थी इसलिए चश्मेवाले की मृत्यु का समाचार सुनाते हुए वह भावुक हो गया था।

ii. (c) हिंदी

Explanation: फादर कामिल बुल्के पूर्णतः हिंदी प्रेमी थे। भारतीयों द्वारा अपनी ही भाषा की उपेक्षा उन्हें कष्ट पहुँचाती थी।

iii. (b) रेम्स चैपल

Explanation: रेम्स चैपल

9. I. (ii) कृष्ण

II. (iii) कड़वी ककड़ी के समान

III. (iv) हारिल की लकड़ी से

IV. (i) जिसका मन स्थिर न हो

V. (iv) रोग

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

i. (d) परशुराम

Explanation: परशुराम ने अभिमान स्वरूप" मैं " का प्रयोग किया है ।

ii. (a) लड़की भोली व सरल थी

Explanation: लड़की भोली व सरल थी । समाज , लोकव्यवहार, शोषण आदि का उसे आभास ही नहीं था ।

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिये:

i. प्रायः मनुष्य के मन में अपने जीवन के अंत तक एक चिंता बनी रहती है कि बुढ़ापे में उसके दिन कैसे कटेंगे परन्तु भगत के मन में इस प्रकार के विचार कभी भी नहीं आए | बुढ़ापे में भी उनके नेम-व्रत, संध्या-स्नान चलते ही रहे | खेती का काम करना, दोनों वक्त नियम से गीत ध्यान करना उन्होंने कभी नहीं छोड़ा | बुखार आने पर भी गंगा स्नान के लिए गए | यहाँ तक कि अपने अंत समय में भी उन्होंने संध्या समय कबीर के पद गाए और अपने पंजर को छोड़ कर चले गए | इस प्रकार मृत्यु का भय भी उन्हें अपने कर्मो से विचलित नहीं कर पाया | अतः यह कहना उचित है कि उनकी मृत्यु उनके ही अनुरूप हुई |

ii. खीरे की फाँकों को बाहर फेंकने के बाद नवाब साहब गर्व से भर उठे। उनके चेहरे पर संतुष्टि के मिश्रित भाव झलक रहे थे। मात्र सूंघने से ही तृप्ति का अनुभव कर खिड़की से बाहर खीरा फेंकना उनके रईसी खानदान को प्रदर्शित करता है। ऐसा करने से मानो कहना चाहते हो कि यह है रईसों का खानदानी तरीका। वे लेखक जैसे साधारण आदमी के सामने खीरा जैसा सस्ता फल खाने में भी संकोच करते हैं। इसमें उनकी खानदानी तहजीब, नफासत और नजाकत झलकती है |

iii. कैप्टन की मृत्यु के पश्चात् हालदार साहब को इस बात का दुःख था कि अब मूर्ति पर चश्मा लगाने वाला कोई नहीं है | यह सोचकर वह निराश हो गए थे | पर मूर्ति पर किसी बच्चे के द्वारा बनाया गया सरकंडे का चश्मा देखकर नेताजी के मन की निराशा आशा में परिवर्तित हो गई | नई पीढ़ी के मन में अभी भी देशभक्तों के प्रति सम्मान की भावना है, यही सोचकर हालदार साहब द्रवित हो गए |

iv. फादर जैसे सौम्य तथा स्नेहिल स्वभाव के व्यक्ति हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के मार्ग में आने वाली समस्या तथा सवाल पर झुँझला उठते | हिन्दी भाषा से उन्हें विशेष लगाव और प्रेम था। वे हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखना चाहते थे।

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

i.
- कभी अपने रूप-सौंदर्य पर गर्व न करे।
- वह अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह करे, कभी भी कमजोर बन कर आत्मदाह न करे।
- वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रम और बंधन हैं, अत: उनके मोह में न पड़े।
- लड़की की कोमलता व लज्जा आदि गुणों को अपनी कमजोरी न बनने दे।।
- अपना सौम्य व्यवहार बनाए रखे।
- ससुराल में गलत व्यवहार का विरोध करे।

- अपनी और अपने परिवार की मरियादा को बनाए रखे।
- आग रोटियां सेंकने के लिए है ना जलने के लिए।

ii. बादल प्यासे लोगों को तृप्त करने, नई कल्पना व नई चेतना को जगाने, ललित कल्पनाओं और क्रान्ति को लाने वाले, निडरता, बिजली जैसी ओजस्विता और शीतलता की ओर संकेत करने वाले तथा नवजीवन और नूतन कविता के अर्थों की ओर संकेत करता है। वह मानव को उत्साह और संघर्ष की ओर प्रेरित करता है और उन्हें परिवर्तन की ओर अग्रसर करता है |

iii. परशुराम का स्वभाव क्रोधी है और वे सदैव ही वीर योद्धा की तरह बात करते हैं- जब राजा जनक की सभा में सीता स्वयंवर के समय राम द्वारा धनुष तोड़ने के बाद परशुराम-लक्ष्मण से संवाद करते हुए कहते हैं-यदि वे कटु वचन बोलने वाले बालक लक्ष्मण का वध कर दें तो सभा उन्हें इसका दोष न दे। क्योंकि यह बालक जानता नहीं है हमारे बारे में और यह इतनी उदंडता से हमारे प्रश्नों के उत्तर दे रहा है।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये:

i. अपने बचपन में लेखक और उनके मित्रों की टोली किसी दूल्हे के आगे-आगे जाती हुई ओहारदार पालकी को देख लेते तो बड़े ही जोर से चिल्लाते | एक बार ऐसा करने पर एक बूढ़े वर ने उन सबको बड़ी दूर तक खदेड़कर ढेलों से खूब मारा | उसे याद कर लेखक कहता है कि न जाने किस ससुर ने वैसा जमाई ढूँढ़ निकाला था | उस खूसट-खब्बीस की सूरत लेखक नहीं भुला पाया। लेखक ने वैसा घोड़मुँहा आदमी कभी नहीं देखा।

ii. जार्ज पंचम की नाक पाठ में बर्णित खोई हुई नाक से गुजरात के महात्मा गाँधी, सरदार पटेल, विट्ठल भाई पटेल, महादेव देसाई आदि महापुरूषों की नाक बड़ी निकली| इस कथन से हम यह भाव ग्रहण करते हैं कि हमारे देश के नेता के त्याग और बलिदान के आगे जार्ज पंचम नगण्य थे | यह व्यंग्य राष्ट्र के प्रति लेखक की देश के स्वाभिमान के प्रति संवेदनशील होने का परिचायक है।

iii. हिमालय का स्वरुप पल-पल बदलता है। प्रकृति इतनी मोहक है कि लेखिका किसी बुत-सी माया और छाया के खेल को देखती रह जाती है। अन्य लोगों के विपरीत वे खामोशी से उस सौंदर्य का रसपान करना चाहती थी। इस वातावरण में उसको अद्भुत शान्ति प्राप्त हो रही थी। इन अद्भुत व अनूठे नज़ारों ने लेखिका को पलभर में ही जीवन की शक्ति का एहसास करा दिया। उसे ऐसा लगने लगा जैसे वह देश व काल की सरहदों से दूर, बहती धारा बनकर बह रही हो और उसके मन का सारा मैल और वासनाएँ इस निर्मल धारा में बह कर नष्ट हो गई हो। प्रकृति के उस अनंत और विराट स्वरुप को देखकर लेखिका को लगा कि इस सारे परिदृश्य को वह अपने अंदर समेट ले। उसे ऐसा अनुभव होने लगा वह चिरकाल तक इसी तरह बहते हुए असीम आत्मीय सुख का अनुभव करती रहे।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **पुस्तकें पढ़ने की आदत**

पुस्तकें हमारे जीवन का एक महत्त्वपूर्ण अंश है। पुस्तकों के अध्ययन से हम भिन्न-भिन्न प्रकार के ज्ञान अर्जित करने में सक्षम होते हैं। पुस्तकें विद्यालयी विद्यार्थियों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए एक उपयोगी साधन है। विद्यार्थियों का ज्ञानार्जन पुस्तकों द्वारा संभव होता है, वहीं बुजुर्गों के लिए समय व्यतीत एवं मनोरंजन के साधन रूप में पुस्तकें कार्य करती हैं। वर्तमान दौर में तकनीकों का प्रसार इस हद तक हो चुका है कि आज पुस्तकों का स्थान मोबाइल फोन, लैपटॉप,

आईपैड, टैबलेट आदि ने ले लिया है। इनका आकर्षण इतना अधिक हो गया है कि लोगों ने पुस्तकों को पढ़ना बहुत कम कर दिया है। आज पुस्तकें न पढ़ने का कारण विविध प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण हैं। इन उपकरणों के कारण लोग भले ही कुछ ज्ञान अर्जित कर लेते हैं, परंतु समय का जो दुरुपयोग आज का युवा वर्ग कर रहा है उसको भर पाना असंभव प्रतीत होने लगा है। पुस्तक पढ़ने की आदत से हम नित दिन अध्ययनशील रहते हैं। इससे पढ़ने में नियमितता बनी रहती है तथा हम मानसिक रूप से भी स्वस्थ बने रहते हैं। अतः हमें सदैव पुस्तक पढ़ने की आदत बनानी चाहिए।

ii. **आज की बचत कल का सुख**

वर्तमान आय का वह हिस्सा, जो तत्काल व्यय (खर्च) नहीं किया गया और भविष्य के लिए सुरक्षित कर लिया गया 'बचत' कहलाता है। पैसा सब कुछ नहीं रहा, परंतु इसकी ज़रूरत हमेशा सबको रहती है। आज हर तरफ़ पैसों का बोलबाला है, क्योंकि पैसों के बिना कुछ भी नहीं। आज जिंदगी और परिवार चलाने के लिए पैसे की ही अहम भूमिका होती है। आज के समय में पैसा कमाना जितना मुश्किल है, उससे कहीं अधिक कठिन है। पैसे को अपने भविष्य के लिए सुरक्षित बचाकर रखना, क्योंकि अनाप-शनाप खर्च और बढ़ती महँगाई के अनुपात में कमाई के स्रोतों में कमी होती जा रही है, इसलिए हमारी आज की बचत ही कल हमारे भविष्य को सुखी और समृद्ध बना सकने में अहम भूमिका निभाएगी।
जीवन में अनेक बार ऐसे अवसर आ जाते हैं, जैसे आकस्मिक दुर्घटनाएँ हो जाती हैं, रोग या अन्य शारीरिक पीड़ाएँ घेर लेती हैं, तब हमें पैसों की बहुत आवश्यकता होती है। यदि पहले से बचत न की गई तो विपत्ति के समय हमें दूसरों के आगे हाथ फैलाने पड़ सकते हैं।
हमारी आज की छोटी-छोटी बचत या धन निवेश ही हमें भविष्य में आने वाले तमाम खर्चे का मुफ़्त समाधान कर देती हैं। आज की थोड़ी-सी समझदारी आने वाले भविष्य को सुखद बना सकती है। बचत करना एक अच्छी आदत है, जो हमारे वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के लिए भी लाभदायक सिद्ध होती है। किसी ज़रूरत या आकस्मिक समस्या के आ जाने पर बचाया गया पैसा ही हमारे काम आता है। संक्षेप में कह सकते। हैं कि बचत करके हम अपने भविष्य को सँवार सकते हैं।

iii. **इंटरनेट क्या है?** - आधुनिक युग सूचना प्रोद्यौगिकी का युग है। आज का विश्व विज्ञान के दृढ़ स्तम्भ पर टिका है। विज्ञान ने मनुष्य को अनेक शक्तियाँ, सुख-सुविधाएँ तथा क्रान्तिकारी उपकरण दिए हैं, जिनमें इन्टरनेट एक अत्यधिक महत्वपूर्ण, बलशाली एवं गतिशील सूचना का माध्यम है। सन् 1986 में इन्टरनेट का आरम्भ हुआ था। यह अनेक कम्प्यूटरों का एक जाल है, जिसके सहयोग से आज का मनुष्य विश्व के किसी भी भाग से किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त कर सकता है।
लाभ-समय की बचत, शिक्षा में सहायक - इंटरनेट से सारी दुनिया हमारी मुट्ठी में आ गई है। बस, एक बटन दबाइए सब कुछ क्षण भर में आँखों के सामने उपस्थित हो जाता है। इसने दुनिया के सभी लोगों को जोड़ दिया है। ज्ञान के क्षेत्र में अद्भुत क्रान्ति आ गई है। ज्ञान, विज्ञान, खेल, शिक्षा, संगीत, कला, फिल्म, चिकित्सा आदि सबकी जानकारी इंटरनेट से उपलब्ध है। इससे देश-विदेश के समाचार, मौसम, खेल सम्बन्धी ताजा जानकारी प्राप्त होती हैं। इन्टरनेट से विज्ञान, व्यवसाय व शिक्षा के क्षेत्र में अनेक कार्य होने लगे हैं, जिससे समाज में बेरोजगारी समाप्त हो सकती है।
उपयोग के सुझाव - इंटरनेट सभी के लिए उपयोगी है लेकिन इसका प्रयोग करते समय सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है जिससे हमारा डाटा सुरक्षित रह सकता है। इसका दुरुपयोग होने से भी बचाया जा सकता है। जल्दबाजी करने से हमारी सूचना व धन किसी दूसरे के पास पहुँच सकते हैं। अतः हमें इंटरनेट का प्रयोग करते समय अत्यंत सावधानी बरतनी चाहिए।

15. सेवा में,

स्वास्थ्य अधिकारी महोदय,

स्वास्थ्य विभाग, शहरी क्षेत्र,

दिल्ली नगर निगम,

द्वारका सेक्टर - 8, दिल्ली-110077

विषय : मोहल्ले में फैली गंदगी के संबंध में।

महोदय,

मैं आपका ध्यान अपने मोहल्ले में चारों ओर फैली गंदगी की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ। काफी दिनों से सड़क के किनारों पर गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। सफाई कर्मचारी भी लापरवाही बरतने में कोई कमी नहीं करते। वे कई-कई दिनों तक जान-बूझकर कूड़े को नहीं उठाते। इसके लिए वे चाहते हैं कि उन्हें अतिरिक्त पैसा दिया जाए।अगर कोई उनसे कूड़ा उठाने के लिए कहता है तो वे या तो आनाकानी करते हैं या लड़ाई-झगड़े पर उतारू हो जाते हैं। कूड़ा न उठाने के कारण चारों तरफ बदबू फैल रही है। नालियों में गंदे पानी के जमाव के कारण वहाँ मच्छर पनप रहे हैं। बारिश के दिन समीप आ रहे हैं यदि यह कूड़ा शीघ्र नहीं उठाया जायेगा तो स्थिति भयावह हो जायेगीऔर कई बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ जायेगा। आवारा पशु कूड़े के ढेर को चारों तरफ बिखेर देते हैं। इससे आवागमन में भी असुविधा हो रही है।उम्मीद है आप अपनी ज़िम्मेदारी समझते हुये कोई सख्त कदम अवश्य उठाएंगे, ।

धन्यवाद

भवदीय

बलवंत कुमार

सचिव

मोहल्ला सुधार समिति

75-जी, पालम,

दिल्ली- 110075

दिनांक : 17 जनवरी, 2019

OR

सेवा में,

विकास खंड अधिकारी

नगर निगम

जिला-नजफगढ़

विषय-आधार पहचान पत्र न मिलने की शिकायत

महोदय,

दिनांक 16.01.18 को नजफगढ़ विकास खण्ड के कर्मचारियों ने नागरिकों के 'आधार पहचान पत्र' बनाने के लिए जगह-जगह कैम्प लगाए गए थे। ऐसा ही एक कैम्प राज नगर नजफगढ़ में स्थित मुंशी महाराज इंटर कॉलेज में भी लगा था जहाँ मैंने समस्त

औपचारिकताएँ पूरी कर अपना 'आधार पहचान पत्र' तैयार करवाने की समस्त प्रक्रिया पूरी कर दी । मुझसे कहा गया था कि एक माह के भीतर ही आपका 'आधार पहचान पत्र' आपके पते पर डाक से भेज दिया जाएगा किन्तु खेद है कि दो माह बीतने के बाद भी अभी तक मेरा आधार पहचान पत्र नहीं आया है और जब संबन्धित कार्यालय में पूछताछ के लिए गया तब भी कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला और ही किसी कर्मचारी ने मेरी परेशानी समझने का प्रयत्न किया।

वर्तमान समय में यह पहचान पत्र नागरिकों के लिए अत्यन्त आवश्यक है। यह आई. डी. प्राप्त तो है ही साथ ही बैंक,पोस्ट ऑफिस, रेल,आयकर विभाग आदि में भी मान्य हैं। पासपोर्ट बनाने में भी आधार पहचान-पत्र की उपयोगिता है। मुझे अपने शैक्षिक कार्य के लिए उसकी अत्यंत आवश्यकता है।

अतः आपसे निवेदन है कि मेरा आधार पहचान-पत्र शीघ्र ही प्रदान करने की कृपा करें क्योंकि मेरे कई जरूरी कार्य इससे प्रभावित हो रहे हैं ।

धन्यवाद

भवदीय

विवेक कुमार

शिवपुरी

नजफ़गढ़

16.

कीमत केवल 999 रूपये (6 पैकेट)

"नाखूनों की शान बढ़ाती
सुंदरता में चार चाँद लगाती
सबके मन को लुभाती
और
हजारों में आपकी पहचान
अलग ही बनातीं है।"

"""""स्टार नेलपॉलिश"""""

आकर्षक कलर्स में उपलब्ध

जो आपको अपनी सुन्दरता का एहसास कराएं

सस्ती सुंदर और टिकाऊ

(दुकान क्रमांक 77 सरोजिनी नगर नई दिल्ली)

OR

कर पर्यावरण की रक्षा मनाएँगे पृथ्वी दिवस।

तभी तो होगा सुरक्षित और बेहतर भविष्य ।

17.

स्वतंत्रता दिवस पर शुभकामना संदेश

दिनांक : 15 अगस्त 2020

समय : प्रातः 7 बजे

मेरे प्यारे देशवासियों आप सभी को 74वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

आइए स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर हम सब भारतवासी मिलकर अपने देश को चहुमुखी विकास के मार्ग पर अग्रसर करने का दृढ़ संकल्प लेते हैं।

जय हिन्द, वन्दे मातरम्, भारत माता की जय

OR

शोक संदेश

26 अगस्त 20xx

प्रातः 10:00 बजे

अत्यत्न दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरे दादा जी का निधन दिनांक 16/08/20xx को हो गया। ब्रह्मभोज दिनांक 28/08/20xx को होना निश्चित हुआ है।

ब्रह्मभोज में उपस्थित होकर दादा जी की आत्मा को शान्ति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करें।

शोक संतप्त

क ख ग